an>

Title: Need to construct an international airport and a library of international standard in Nalanda.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा) : अध्यक्ष महोदया, मुझे आपने मुझे बोलने का मौका दिया है, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। बुद्ध की स्थली बोधगया और राजगीर में विश्व के कोने-कोने से भगवान बुद्ध के दर्शन करने आते हैं। वे दोनों तीर्थस्थल बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय तीर्थ स्थल हैं। ज्ञान की नगरी नालंदा में लगभग 800 वर्ष पुराना, प्राचीन विश्वविद्यालय है। आज ज्ञान की भूमि, नालंदा ने हमारे नेता नितिश कुमार जी के अथक प्रयास से विश्व के मानचित्र पर अपनी पहचान स्थापित किया है। नालंदा में ही पावापुरी और कुंडलपुर भगवान महावीर जी की जन्म स्थली है। इन दोनों धर्म स्थलों पर हजारों जैनधर्म के अनुयायी और अन्य तीर्थ यात्री दर्शन करने आते हैं। राजगीर के वेनुवन विहार में भगवान बुद्ध अपने शिष्यों के साथ कई चतुर्मास किये थे। यह स्थान बुद्ध धर्मावलंबियों के लिए धर्म की शक्तिपीठ की भांति है। ...(व्यवधान) बौध ग्रंथ 'विनय पीटक' के अनुसार वेनुवन स्थान बौद्ध संघ के लिए परम पवित्र स्थल है, जो भगवान बुद्ध के बताये मार्गों की झलक प्रस्तुत करती है। यह स्थल बौद्ध अनुयायियों के लिए तप एवं साधना का केन्द्र बन चुका है।

मैं आपके माध्यम से मांग करना चाहता हूं कि नालंदा अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय है, वहां अंतर्राष्ट्रीय स्तर का पुस्तकालय का निर्माण कराया जाये, एवं नालंदा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का भी निर्माण कराया जाये। यही कह कह मैं अपनी बात को समाप्त करता हूं।

माननीय अध्यक्ष :

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री राजीव सातव को श्री कौशलेन्द्र कुमार द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।